होड़ दर्ड मेरी मेया ने चुनरिया रन में करें हुंकार हो मक कोहे को होड़ी भैया तुमने युनरिया काहे भरी इंकार हो माई ॥२॥ होड्ड देखे दानव तेने बलशाली देखई भरी हुकार हो मक्र ॥ शा होड़ वही हाथ खड़ग- खप्पर ले छाई. रमन मा सकीं जलकार हो महिष्णा होड़ वही देखी माया रकत बीज की कर्रहीं जुगानियाँ पुकार हो मक्ष्मा होड़ दहें रुक बूंद के सी. सी दानव सार्थे तेरी तो महिमा उपपार हो महिणा होड़ हरे रन खों- रन बन देखों कर डालो दुष्टों को करो संघार हो मही ॥१॥ होड़दहें उग्राज घरी विषदा की उग्रही उगाउरे करें। उपकार हो मक्र ॥था होड़ हरें फरें शीबाबाशी" भेया माया जाल में दीने करो उद्घार हो मर्स् ॥ होड़ रहे